IIMA PRESS RELEASE 2013-14

Workshop on the Design of Products and Services for Financial Inclusion

IIMA, July 19, 2013: A workshop on Design of Products and Services for Financial Inclusion is being organised by the Indian Institute of Management, Ahmedabad on July 20, 2013 at IIMA. The objective of the workshop is to provide an opportunity for exchange of ideas among participants from the government, banks, micro-finance organizations, regulators, organizations from the social sector and academics on design of appropriate financial products and services to meet the needs of different sections of society.

The day long workshop would begin with a welcome address by Prof Samir K Barua, Former Director, IIMA on the State of Financial Inclusion and Literacy in India. The other key speakers include, Mr. Ashish Chauhan, MD and CEO, BSE, who would deliver a talk on the Perspectives of Institutions in Enhancing Financial Inclusion and Financial Literacy; Mr. Vijay Mahajan, Founder and CEO, BASIX, would deliberate on the Design of Financial Products and Services for the Financially Excluded group; Mr.PawanAgarwal, Sr. Director (Rating), CRISIL, would present the Role and Approach to Developing and Maintaining Nation-wide Indices for Financial Inclusion.

A panel consisting of Mr. Manoj Sharma (Director, Microsave), Mr. Rajarshi Chakraborty (Head- PSL, Citi India), Mr. SrinivasBonam (Head-Inclusive Banking Group, Indusind Bank), Mr. M. V. Subramanian (Head – Rural and Inclusive Banking, Axis Bank), would to discuss on design of financial products and services for the financially excluded.

Technical sessions, presentations and panel discussions would provide opportunities for debate and discussions on key issues related to the field. The workshop would attempt to develop a shared understanding of the issues involved in evolving an effective policy and implementation framework to enhance the reach of financial products and services to the excluded segments of society.

आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2013-14

वित्तीय समावेशन के लिए उत्पादों एवं सेवाओं की डिजाइन पर कार्यशाला

आईआईएमए, 19 जुलाई, 2013 :*वित्तीय समावेशन के लिए उत्पादों एवं सेवाओं की डिजाइन* के बारे में एक कार्याशाला का आयोजन भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद द्वारा 20 जुलाई, 2013 को किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य समाज के विभिन्न अनुभागों की जरूरतों को पूरा करने के लिए समुचित वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं की डिजाइन के बारे में सरकारी, बैंक, लघुवित्तीय संगठन, नियामको, सामाजिक एवं शैक्षिक क्षेत्र से संगठनों के कर्मचारियों के बीच विचारों के आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराना है।

दिनभर चलने वाली इस कार्यशाला का प्रारंभ प्रोफेसर समीर के. बरुआ, पूर्व निदेशक, आईआईएमए द्वारा *भारत में वित्तीय समावेशन एवं साक्षरता की स्थिति* के बारे में भाषण के साथ होगा। अन्य मुख्य वक्ताओं में शामिल हैं, श्री आशिष चौहान, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी-बीएसई, जो *वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता बढ़ाने में संस्थानों का परिप्रेक्ष्य* के बारे में बात रखेंगे; श्री विजय महाजन, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीएएसआईएक्स (बेसिक्स), जो *वित्तीय रूप से बहिष्कृत समूहों के लिए वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं के डिजाइन के बारे में विचार विमर्श* देंगे; श्री पवन अग्रवाल, वरिष्ठ निदेशक (मूल्यांकन), क्रिसिल, जो *वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रव्यापी सूचकांक को विकसित करने एवं बनाये रखने के लिए भूमिका एवं दृष्टिकोण* को प्रस्तुत करेंगे।

श्री मनोज शर्मा (निदेशक, माइक्रोसेव), श्री राजश्री चक्रबर्ती (प्रमुख-पीएसएल, सिटी इंडिया), श्री श्रीनिवास बोनम (प्रमुख- समावेशी बैंकिंग समूह, इंडसइंड बैंक), श्री एम.वी. सुब्रमणियन (प्रमुख-ग्रामीण एवं समावेशी बैंकिंग, एक्सिस बैंक) की सदस्यता वाली एक पैनल वित्तीय बहिष्कृत समूहों के लिए वित्तीय उत्पाद एवं सेवाओं की डिजाइन के बारे में चर्चा करेंगे।

तकनीकी सत्र, प्रस्तुतियाँ एवं पैनल विचार विमर्श इस क्षेत्र से संबंधित मुख्य मुद्दों के बारे में चर्चाओं एवं विचार-विमर्श के अवसर प्रदान करेगा। इस कार्यशाला में समाज के बहिष्कृत समूहों को वित्तीय उत्पाद एवं सेवाओं की पहुँच बढ़ाने के लिए प्रभावी नीति एवं ढाँचे के कार्यान्वयन के विकास में शामिल मुद्दों की समझ साझा करते हुए विकास करने का प्रयास किया जायेगा।